विचार बिन्दु

चापलूसी का ज़हरीला प्याला आपको तब तक नुकसान नहीं पहुँचा सकता जब तक कि आपके कान उसे अमृत समझ कर पी न जाएँ। –प्रेमचंद

यूएन क्लाईमेट चेंज कॉन्फ्रेन्स (UNFCCC) कॉप-29 बाकू में नवम्बर, 2024 में होगी, वहां भारत की भूमिका क्या होगी?

कॉप-29 इस बार बाकू अज़रबैजान में होने जा रही है। इस सम्मेलन में जलवायु परिवर्तन के बाबत जो चुनौतियां हैं, उन पर गहन वार्ता होगी। इस विषय पर चर्चा होगी कि पेरिस एग्रीमेंट की पालना के हेतु सभी सदस्य देशों ने अब तक क्या क्या कदम उठाये और क्या सदस्य देश जलवायु परिवर्तन को 1.5 डिग्री सेंटीग्रेड तक सीमित रखने पर सफल हुये हैं? क्या सदस्य देश जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से उत्पन्न होने के खतरे से निपटने के हेतु उचित और वांछित धन इकट्ठा कर सके। जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के हेतु व सदस्य देशों को सतत् विकास के लक्ष्य 13 की पालना करने में ये देश कितना सफल हुये हैं। कॉप-29 की व्यवस्था अज़रबैजान देश कर रहा है। कॉप-29 के प्रेसीडेण्ट मुख्तार बाबायेव नियुक्त हुये हैं। इनकी नियुक्ति बाकू में 9 जून, 2024 को हुई है। कॉप-29, 11 से 22 नवम्बर, 2024 को होगी।

कॉप-29 का उद्देश्य है, अधिक Resilent व Equitable विश्व की संरचना करना। साथ ही सतत विकास के लक्ष्यों की प्राप्ति करना है। यूएनएफसीसीसी के एक्जीक्यूटिव सेक्रेटरी, Simon Stiell हैं उनका कहना है कि बाकू पहुँचने से पूर्व सब सदस्य देशों को अपने उद्देश्य की पूर्ति के हेतु उचित कदम उठाने होंगे और समस्या का हल निकालना होगा।

जलवायु परिवर्तन के कारण निम्नलिखित समस्यायें हैं:-

(1) एक मिलियन से ऊपर प्लान्ट्स, जानवर व अन्य जीव समाप्त होने की कगार पर हैं।

(2) 1980 के बाद से Marine Plastic Pollution 10 गुणा अधिक बढ़ गया है।

(3) प्रत्येक वर्ष में 7 मिलियन वन (Forest) समाप्त हो रहे हैं।

(4) संसार के नगर 2.2 विलियन टन कचरा प्रत्येक वर्ष पैदा कर रहे हैं।

(5) पर्यावरण की अशुद्धता के कारण 9 मिलियन की मृत्यु प्रत्येक वर्ष हो रही है। इसके अतिरिक्त Air Pollution के कारण 7 मिलियन मृत्यु होती है।

(6) 30 प्रतिशत संसार की आबादी लू से प्रभावित हो रही है वह भी 20 दिन एक वर्ष में।

(7) संसार में कहीं सूखा है, कहीं बाढ़ है तो कहीं अगजनी पर्यावरण के विष से हमारा खाना जहरीला हो रहा है Drug Abuse व Illicit Trafficking की घटनायें बहुत बढ़ रही हैं।

(8) सतत् विकास के गोल (लक्ष्य) हमारी पहुँच से बहुत दूर है।

(9) तापमान को 1.5° सेन्टीग्रेड तक रोकना असम्भव है, यह बढ़ रहा है।

संसार बर्बादी की ओर बढ़ रहा है। संयम हमारा कहीं गुम हो चुका है। समुद्र अपनी सीमायें बढ़ा रहा है, टापू देश डूब में आ चुके हैं और आने वाले हैं। पॉल्स का स्नो (बर्फ) पिघल रहा है। पहाड़ों का बर्फ पिघल रहा है। पहाड़ की झीलें अपनी सीमा से अधिक पानी से भर चुकी हैं और कभी भी उनकी सीमायें टूट जावेंगी, फलस्वरूप जल-प्लावन आवेगा। सांस लेना कठिन हो रहा है। समय आने वाला है जब बड़े शहर निवास के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जावेंगे। पीने के पानी की समस्या जान लेवा हो जावेगी। पानी के लिये युद्ध होंगे। खाने के पदार्थ जहरीले हो जायेंगे। नई-नई बीमारियां जन्म लेंगी। नये वायरस जीवन को निगलने के लिये नये-नये रूपों में आयेंगे।

संसार बर्बादी की ओर बढ़ रहा है। संयम हमारा कहीं गुम हो चुका है। समुद्र अपनी सीमायें बढ़ा रहा है, टापू देश डूब में आ चुके हैं और आने वाले हैं। पॉल्स का स्नो (बर्फ) पिघल रहा है। पहाड़ों का बर्फ पिघल रहा है। पहाड़ की झीलें अपनी सीमा से अधिक पानी से भर चुकी हैं और कभी भी उनकी सीमायें टूट जावेंगी, फलस्वरूप जल-प्लावन आवेगा। सांस लेना कठिन हो रहा है। समय आने वाला है जब बड़े शहर निवास के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जावेंगे।

देशों को सतत् विकास के लक्ष्य पूरे करने थे। पेरिस एग्रीमेन्ट के अनुसार देश अपने कर्त्तव्य की पालना नहीं कर रहे हैं। यू एन की रिपोर्ट कहती है अब तक हमें जो कार्य करने थे उसका 1/5 भी हम पूरा नहीं कर पाये हैं। पेरिस एग्रीमेन्ट के अब केवल 6 वर्ष रह गये हैं। पूर्ति असम्भव है। यू एन की रिपोर्ट कहती है कि सदस्य देश अब तक केवल 17 प्रतिशत सतत् विकास के गोल (SDG) ही कर पाये हैं। कोविड-19 पेन्डेमिक ने तथा भौगोलिक आपदाओं के कारण तथा जलवायु परिवर्तन के कारण देश अपने कर्त्तव्यों की पूर्ति नहीं कर पा रहे हैं। देश की गरीब जनता का एक भाग गरीबी की रेखा के नीचे जी रहा है। अतिरिक्त 23 मिलियन जनता उसमें और जुड रही है। 2022 में 100 मिलियन जनसंख्या Extreme Poverty में जी रही है 1.5°C के बढ़ने साथ गरीबी व भुखमरी बढ़ रही है यू एन सेक्रेटरी जनरल एन्ओनियो गुटरेज ने चेतावनी दी है कि हमें लोगों का जीवन बचाना है। 120 मिलियन वे लोग हैं जिन्हें मई 2024 तक बेदखल किया गया है। दो देशों के झगड़े में अनेक मर चुके हैं। बहुत बड़ी रकम (Finance) की हमें आवश्यकता है। हम सब बर्बादी में डूबे हुये हैं। यू एन की रिपोर्ट की कुछ Findings इस प्रकार हैं:-

1) हमारी पर केपिटा जीडीपी संसार की आधी जनसंख्या की तुलना में काफी कम है।

2) 60 प्रतिशत देशों में जलवायु परिवर्तन के कारण खाने की वस्तुओं की कीमतों में 2022 की अपेक्षा काफी बढोत्तरी हुई है।

3) 120 देशों से जो डेटा कलेक्ट किया गया है उसे मालूम होता है वहां पर महिलाओं के साथ भेदभाव है।

4) देशों में शिक्षा का अभाव।

5) लगभग 60 प्रतिशत देश जिनकी इन्कम कम है वे कर्जों के बोझ से दवे हुये हैं।

6) देशों ने 8.1 प्रतिशत बिजली का उत्पादन Renewable Energy से प्रारम्भ कर दिया है।

यह सत्य है कि अधिकांश देशों ने टारगेट का 1/5 स्तर ही प्राप्त किया है और SDGs के लिये जो वायदे किये थे वे पूरे नहीं किये। पेरिस एग्रीमेन्ट में जो घोषणायें की थीं, उनको कार्यान्वित करने में देश असमर्थ रहे। यह भी सत्य है 1.5 डिग्री टेम्परेचर बढ़ रहा है वह कभी भी 2 डिग्री तक बढ़ सकता है। समुद्र का तापमान बढ़ रहा है, जिसके कारण तूफान उठ रहे हैं। अमेरिका व यूरोप में लू का गम्भीर असर देखा गया है। जंगलों में आग लग रही है। लोग भयभीत हैं। डर के साये में जी रहे हैं। जंगल खत्म हो रहे हैं अत: ऑक्सीजन की कमी है।

प्रश्न है पेरिस एग्रीमेन्ट की यदि सदस्य देश पालना नहीं कर पाये तो संसार का क्या होगा। हाँ यह सभी मानकर चल रहे हैं कि 1.5° तापमान की बढ़ोत्तरी को शायद हम रोक नहीं पायेंगे। अत: हमारा कर्त्तव्य है कि हम पेरिस एग्रीमेन्ट के वायदों को निभाने के लिये अधिक प्रयत्न करें, अभी भी 6 वर्ष का समय शेष है। इस वर्ष लू के कारण जो मृत्यु हुई हैं तथा जिसने यूरोप व अमेरिका में जो संकट पैदा किया है वह घबराहट पैदा करने वाला है।

भारत सरकार ने पेरिस एग्रीमेन्ट को गम्भीरता से लिया है। कार्बन एमीशन को रोकने के लिये सौर ऊर्जा के उत्पादन में काफी काम किया है; किन्तु प्रोब्लम बहुत बड़ा है। कॉप-29 में देश को अपनी रिपोर्ट देना है और गरीब देशों की सहायता के लिये जो फाइनेन्स इकट्ठा करना है उसके लिये देशों से सहयोग की अपील करनी है।

पेरिस एग्रीमेन्ट में यह प्रावधान नहीं है कि यदि कोई सदस्य देश एग्रीमेन्ट की शरायतों की पालना नहीं करता है तो समाधान के क्या उपाय हैं? लेखक का अपना मत है कि जलवायु परिवर्तन का विषय मानव के अस्तित्व से जुड़ा हुआ है यानी Human Right का विषय है। अत: यह विषय International Court of Justice में उठाया जा सकता है अथवा International Court of Justice की भांति International Climate Justice Tribunal की स्थापना के हेतु प्रयत्न करना चाहिये। पहले भी इस हेतु प्रयत्न किया जा चुका है। भारत के एनजीओ काफी सशक्त हैं वे United Nations Climate Change Conference व COP की मीटिंग्स में काफी सक्रिय रह चुके हैं। कुछ संगठनों में वे कमेटी के सदस्य भी मनोनीत (नोमिनेट) किये गये हैं।

एक्जीक्यूटिव सेक्रेटरी, Simon Stiell ने दिनांक 13.06.2024 को अपने सम्बोधन में स्पष्ट कहा है कि सतत विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने के हेतु बहुत प्रयत्न किये हैं, किन्तु वे अपर्याप्त हैं, हमें बाकू में बड़ी तैयारी के साथ पहुँचना है। International Carbon Market के बाबत नये कदम उठाने होंगे। इसी प्रकार Bonn में छोड़े गये विषयों को आगे बढ़ाना है।

भारत अपनी साहसिक भूमिका निभा रहा है और कॉप-29 में अपनी छाप छोड़ सकता है। राष्ट्रपति के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर बोलते हुये पी एम मोदी ने कहा कि हमारा संकल्प है कि दुनियां जो ग्लोबल वार्मिंग से लड़ रही है उसे सहयोग व ताकत देवें हमने रिन्यूएबल एनर्जी को लेकर एक के बाद एक कदम उठाये हैं।

कॉप-29 की सफलता की कामना करता हूँ।

सत्यमेव जयते!

–अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

कर्म क्षेत्र में प्रवृत्त होना तथा आलस्य को त्याग देना विद्यार्थी जीवन के प्रमुख गुण हैं : राज्यपाल

पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय का चतुर्थ दीक्षांत समारोह आयोजित

सीकर, (निसं)। पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय का चतुर्थ दीक्षांत समारोह गुरुवार को राज्यपाल राजस्थान एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति कलराज मिश्र की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। कुलाधिपति मिश्र ने 72 विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल से नवाजा। साथ ही कला संकाय के 82672, विज्ञान संकाय के 40376, वाणिज्य संकाय के 10578, समाज विज्ञान संकाय के 29785, शिक्षा संकाय के 36448 एवं विधि संकाय के 1713 स्नातक एवं स्नातकोत्तर दीक्षार्थियों को उपाधि प्रदान की गई।

राज्यपाल कलराज मिश्र ने 72 विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल से नवाजा।

समारोह में राज्यपाल मिश्र ने शेखावाटी यूनिवर्सिटी के अंतर्गत आने वाले 370 कॉलेजों के 202572 स्टूडेंट्स की उपाधि जारी की। इस दौरान राज्यपाल कलराज मिश्र ने अपने संबोधन में कहा कि, आज महिलाएं सभी क्षेत्रों में आगे बढ़कर अपना नाम कमा रही हैं जो कि भारत के लिए एक सुखद भविष्य की तस्वीर है। उन्होंने कहा कि आज का दिन बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि यहां से शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के लिए जीवन का एक नया अध्याय प्रारंभ हो रहा है। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय पंडित दीनदयाल उपाध्याय के नाम पर स्थापित है जो कि एक महान चिंतक ही नहीं थे बल्कि उन्होंने भारतीय शिक्षा पर भी महती दृष्टि हमें दी है। उन्होंने अपनी पुस्तक राष्ट्र चिंतन में मानवीय सरोकारों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए राष्ट्रीय समाज के लिए अपना सर्वस्व अर्पित करने की बात कही है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय शिक्षा को समाज की जननी मानते थे। उन्होंने कहा कि कर्म क्षेत्र में प्रवृत्त होना तथा आलस्य को त्याग देना विद्यार्थी जीवन के प्रमुख गुण है। उन्होंने कहा कि पंडित मदन मोहन मालवीय का कहना था कि शिक्षा मानव जीवन के सर्वांगीण विकास का सबसे बड़ा साधन है।

उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय शेखावाटी क्षेत्र की उस पावन धरा पर बना है जो सदैव त्याग,बलिदान और परोपकार की भावना से परिपूर्ण रही है। शेखावाटी ने भारतीय सेना को सर्वाधिक सैनिक दिए हैं तथा यहां पग-पग पर शहीदों की गाथाएं गूंजती हैं। देश की अर्थव्यवस्था में भी प्रमुख स्थान यहीं के मारवाड़ी सेठों का रहा है। उन्होंने कहा कि भामाशाहों की यह धरती जीवन के उदात मूल्यों से जुड़ी है। उन्होंने कहा कि मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि इस विश्वविद्यालय में नई शिक्षा नीति के तहत कई पाठ्यक्रमों और डिप्लोमा की पहल हुई है। यह विश्वविद्यालय विशिष्ट सामाजिक, आर्थिक समस्याओं के समाधान के लिए अनुसंधान क्षेत्र को भी प्राथमिकता दें साथ ही स्थानीय संस्कृति, अतीत से जुड़ी वीर गाथाओं, राष्ट्र की अर्थव्यवस्था में यहां के व्यवसायियों के योगदान आदि विषयों के आलेखों में भविष्य को दिशा प्रदान करने वाले शोध यहां हो। यह दौर स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का है हमें शिक्षा जगत और उद्योग के बीच की दूरी को बांटने की जरूरत है। समारोह में यूनिवर्सिटी के वॉइस चांसलर प्रो.(डॉ.) अनिल कुमार राय, सीकर पुलिस महानिरीक्षक सीकर रेंज सत्येंद्र सिंह, जिला कलेक्टर कमर उल जमान चौधरी, पुलिस अधीक्षक भुवन भूषण यादव, सहित यूनिवर्सिटी का एडमिनिस्ट्रेशन प्रशासन, प्रोफेसर व स्टूडेंट्स मौजूद रहे।

आंगनबाड़ी केन्द्रों में पढ़ने वाले बच्चों के लिए प्रवेश की उम्र बढ़ाई

बीकानेर, (निसं)। आंगनबाड़ी केन्द्रों में अब छह वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को प्रवेश दिया जा सकेगा, जबकि पूर्व में पांच वर्ष तक के बच्चों को प्रवेश देने की गाइडलाइन जारी की गई थी। राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद ने आंगनबाड़ी केन्द्रों तथा स्कूलों में प्रवेश के लिए पूर्व में जारी की गई गाइडलाइन में संशोधन किया है। संशोधित गाइडलाइन के अनुसार तीन से 18 वर्ष आयु वर्ग के सभी बच्चों को चिन्हित करना है। इसके बाद 3 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को आंगनबाड़ी केन्द्रों में एवं 6 से 18 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को स्कूलों में नामांकित करना है। इसके अलावा विद्यालय के निकटतम आंगनबाड़ी में नामांकित 6 या अधिक वर्ष के बालक-बालिकाओं का विद्यालय में नामांकन कराया जाएगा। वार्ड वार नियुक्त अध्यापकों की ओर से निर्वाचक नामावली के अनुसार 3 से 6 वर्ष आयु वर्ग एवं 6 से 18 वर्ष तक की आयुवर्ग की सूचना पीइइओ एवं यूसीइइओ को देनी होगी। वार्डवार नियुक्त अध्यापक निर्वाचक नामावली एवं हाउस होल्ड के आधार पर सर्वे करेंगे। सर्वे के दौरान बस स्टैण्ड, निर्माणाधीन भवन, गांव के बाहर कोई छोटी बस्ती, ढाणी, मजरा, पुरवा, खेत पर रहने वाले परिवार, मौसमी पलायन, प्रवासी मजदूरों के परिवारों को भी शामिल कर उनके बालक-बालिकाओं की सूची बनाई जाएगी। इस सूची के आधार पर नामांकन बढ़ाने के लिए नजदीकी स्कूलों के प्रधानाध्यापक को सूची सौंपी जाएगी।

विद्यालय की अव्यवस्थाओं पर ग्रामीणों ने तालाबंदी की

प्रशासन ने चार शिक्षकों को लापरवाही पर एपीओ किया

ग्रामीणों ने नाराजगी जता कर स्कूल गेट पर ताला लगा दिया।

भीलवाड़ा, (निसं)। जहाजपुर ग्राम पंचायत भृगुनगर के एक विद्यालय में अव्यवस्थाओं को लेकर ग्रामीणों ने तालाबंदी की। सूचना पर मौके पर नायब तहसीलदार, शिक्षा अधिकारी एवं पुलिस अधिकारी पहुंचे और शिक्षकों की लापरवाही पर उन्हें एपीओ किया गया।

मामला राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय ग्राम हंसेडा पंचायत भृगुनगर का है। ग्रामवासियों द्वारा विद्यालय की अव्यवस्थाओं को लेकर तालाबंदी की

ग्रामवासियों ने विद्यालय की अव्यवस्थाओं पर नाराजगी जताई

गई। ग्रामवासियों द्वारा लिखित में ज्ञापन देकर बताया की विद्यालय की टंकी की सफाई अवकाश के बाद स्कूल खुलने के बाद भी नहीं की गयी। उसमें दूषित पानी था जिससे ग्रामवासियों ने आपत्ति दर्ज कराई। मौके पर मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी ओमप्रकाश खटीक एवं नायब तहसीलदार बलवीर सिंह एवं स्थानीय थाने से थानाधिकारी मौजूद थे। इन्होंने विद्यालय के स्टॉफ की लापरवाही को देखते विद्यालय के चार शिक्षक परसराम शर्मा, गोपाल लाल बलाई, रामबाबू स्वर्णकार, बनवारी लाल सोनी को विद्यालय से हटाकर तत्काल प्रभाव से कार्यालय के अन्य विद्यालयों में लगाया है।

खाद्य सुरक्षा दल ने 540 लीटर सरसों तेल सीज किया

रायपुर में श्री राम ट्रेडर्स से लाल मिर्च और हल्दी पाउडर के नमूने लिये

खाद्य सुरक्षा दल ने सरसों के तेल को सीज करने की कार्रवाई की।

भीलवाड़ा, (निसं)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सीपी गोस्वामी के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा दल ने गुरूवार को सहाडा गंगापुर में मै. अशोक ट्रेडिंग कंपनी पहुँचकर निरीक्षण किया एवं खाद्य सामग्री के नमूने लेने की कार्रवाई की। वहीं मौक़े पर सरसों के तेल का निर्माण किया जा रहा था। पंद्रह किलो के टीनों में भरकर सरसों का तेल विक्रय करने के लिए रखा गया था। पंद्रह किलो के टीन पर निर्माण की तिथि, उपयोग की तिथि, बैच नम्बर कुछ भी अंकित नहीं पाया गया। तेल में मिलावट का अंदेशा होने पर खाद्य सुरक्षा दल ने 540 किलोग्राम सरसों के तेल की खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत नमूने लिए तथा तेल को सीज किया।

पंद्रह किलो के टीन पर निर्माण की तिथि, उपयोग की तिथि, बैच नम्बर कुछ भी अंकित नहीं मिला

खाद्य सुरक्षा दल ने इसके अलावा रायपुर में श्री राम ट्रेडर्स से लाल मिर्च पाउडर और हल्दी पाउडर के नमूने लिये। इन सभी नमूनों को जांच हेतु जन स्वास्थ्य प्रयोगशाला अजमेर में भिजवाया जाएगा। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम् 2006 के तहत आवश्यक विधिक कार्रवाई अमल में लायी जायेगी। खाद्य सुरक्षा दल में खाद्य सुरक्षा अधिकारी घनश्याम सिंह सोलंकी और प्रयोगशाला सहायक प्रेमदत शर्मा मौजूद रहे।

राशिफल शुक्रवार 5 जुलाई, 2024

पंडित अनिल शर्मा

आषाढ़ मास, कृष्ण पक्ष, अमावस्या, शुक्रवार, विक्रम संवत 2081, आर्द्रा नक्षत्र रात्रि 4:06 तक, धुव्र योग रात्रि 3:48 तक, चतुष्पद करण सांय 6:42 तक, चन्द्रमा आज मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-मिथुन, मंगल-मेष, बुध-कर्क, गुरू-वृष, शुक्र-मिथुन, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग रात्रि 4:06 से सूर्योदय तक है। कुमार योग रात्रि 4:27 से सूर्योदय तक है। आज देवपितृकार्य अमावस्या, आषाढ़ी अमावस्या है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 7:24 तक, लाभ-अमृत 7:24 से 10:49 तक, शुभ 12:31 से 2:13 तक, चर 5:38 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 5:42, सूर्यास्त 7:20

मेष
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

वृष
आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी।

मिथुन
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित यात्रा संभव है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

कर्क
व्यक्तिगत परेशानियों के कारण मन में असंतोष बना रहेगा। समय अनर्गल कार्यों में खराब होगा। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी।

सिंह
आर्थिक/वित्तिय मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

तुला
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक अड़चनें दूर होने लगेंगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

धनु
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। मनोरंजन के कार्यक्रम बनेंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर
अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। मन का भय दूर होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक परेशानियां दूर होने लगेगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

कुंभ
व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिल सकती है।